दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक : 11.11.2025

प्रकाशनार्थ

दिनांक 11.11.2025 गोरखपुर। दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर में राष्ट्रगीत वन्देमातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) की चारों इकाइयों द्वारा एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय परिसर में किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्र भावना, सांस्कृतिक चेतना और देशभक्ति की भावना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ओम प्रकाश सिंह ने की, जबकि कार्यक्रम का संचालन डॉ. निधि राय द्वारा किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्र गीत वन्देमातरम् के सामूहिक गायन से हुई। NSS के चारों इकाइयों के स्वयंसेवकों, संकाय सदस्यों एवं छात्रों ने पूरे उत्साह, प्रतिभा और गौरव के साथ राष्ट्रगीत का सामूहिक स्वर में उच्चारण किया। गीत के गायन के समय महाविद्यालय परिसर में एक गरिमामय और ऐतिहासिक वातावरण निर्मित हुआ। इस सामूहिक गायन का उद्देश्य केवल एक गीत गाना नहीं था, बल्कि भारत माता के प्रति श्रद्धा, सम्मान और राष्ट्रीय एकता की भावना को सजीव करना था।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्राचार्य डॉ. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि "वन्देमातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत की स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा है। इस गीत से अनगिनत क्रांतिकारियों ने प्रेरणा प्राप्त की थी। आज इसके 150 वर्ष पूर्ण होने पर हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि हम अपने राष्ट्र, संस्कृति और संविधान की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।" उन्होंने छात्रों को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता महाविद्यालय के शिक्षा शास्त्र विभाग के आचार्य डॉ. त्रिभुवन मिश्रा ने कहा कि बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित यह गीत केवल साहित्यिक रचना नहीं, बल्कि भारत की सामूहिक चेतना का प्रतीक है। उन्होंने इस गीत में निहित आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय मूल्यों को विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि वन्देमातरम् ने स्वतंत्रता संग्राम के काल में भारतीयों के हृदय में देशभक्ति की लौ प्रज्ज्वलित की थी और आज भी यह गीत नई पीढ़ी को राष्ट्र प्रेम की प्रेरणा देता है।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारीगणों ने भी छात्रों को संबोधित किया। उन्होंने राष्ट्रहित, सामाजिक सहभागिता, पर्यावरण संरक्षण, जनसेवा और सामाजिक समरसता की दिशा में NSS की भूमिका को रेखांकित करते हुए स्वयंसेवकों को अपने कर्तव्यों के प्रति सजग और उत्तरदायी बनने की प्रेरणा दी। उनके अनुसार NSS केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के लिए सेवा और जागरूकता का माध्यम है।

इस अवसर पर स्वयंसेवकों द्वारा राष्ट्र निर्माण विषयक नारे, पोस्टर और देशभक्ति गीत भी प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य यह था कि राष्ट्र सेवा केवल वाणी में नहीं, बल्कि व्यवहार में भी परिलक्षित हो। इसी उद्देश्य से स्वयंसेवकों को सामाजिक उत्तरदायित्व तथा नैतिक मूल्यों के पालन के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. निधि राय ने गरिमापूर्ण एवं सुसंगत शैली में किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि विद्यार्थियों में राष्ट्र भावना जागृत करना शिक्षा संस्थानों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। राष्ट्रगीत का सामूहिक गायन हमें यह स्मरण कराता है कि हम सब एक ही धरा, एक ही संस्कृति और एक साझा भविष्य से जुड़े हैं।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी विभागों के प्राध्यापक, छात्र–छात्राएँ एवं NSS स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

(डॉ.) शैलेश कुमार सिंह
प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क